Your imagination, we Print...
JGP
JAY graphics & printers
COMMERCIAL PRINTERS
C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.
Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566
GANDHINAGAR
पाटनगर उदय
प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो. : 99784 07016
सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो. : 9426963888
● वर्ष : 10 ● अंक : 187 ● तारीख : 14-04-2026, TUESDAY ● पेज : 4 ● मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'
दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये
सम्पर्क करे :- गांधीनगर कार्यालय
403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.
अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेल्वे क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.
मोबाईल नं. : 93288 95485
email:- patnagaruday@gmail.com

● कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या ● Published at I-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUJ) ● ई-मेईल : patnagaruday@gmail.com

पीएम मोदी ने कहा, देश की विकास यात्रा में ऐतिहासिक कदम

भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े फैसले की ओर बढ़ेगा

विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है

»नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला आरक्षण बिल पर कहा, 'हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है।'

उन्होंने कहा, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।' पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगें इसके लिए मिशन इंद्र धनुष शुरू किया।' स्कूल में शौचालय की परेशानी न हो स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त सेनेटरी पैड, खेलों में सालाना 1 लाख की मदद, भविष्य में सेना में जाना चाहे तो सरकार ने सैनिक स्कूल के दरवाजे खोले। जीवन के आगे के पड़ाव में रसोई में धुएं की परेशानी से बचाने उज्जवला योजना, पानी के लिए हर घर नल, 5 लाख तक मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना। इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी बहनों और बेटियों को हो रहा है। 3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी हैं। आम तौर पर पिता और बेटा व्यापार की बात करते हैं न और मां आ जाए तो कहते हैं तुम जाओ। अब जब वो आर्थिक सशक्त हो गई हैं तो बेटा भी कहता है कि

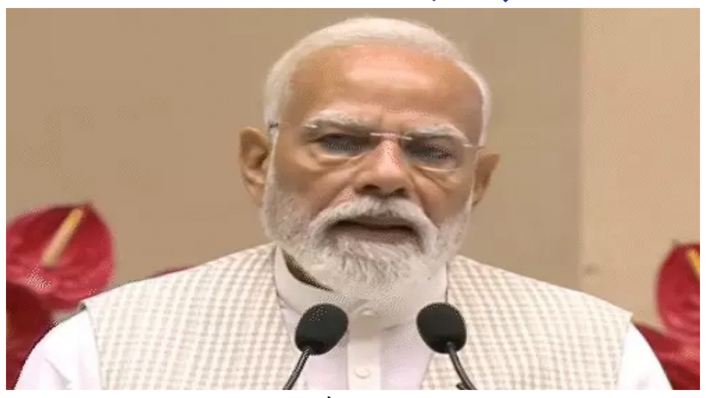

मां को बुलाइए न। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं। 'भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई भी देता हूं। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है।' 'महिला आरक्षण बिल पर विमर्श को करीब चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने अपने ढंग से आगे बढ़ाया है।'

'2023 में जब यह अधिनियम आया था तब भी सभी दलों ने सर्व सम्मति से इसे पास कराया था। एक सुर में यह बात भी उठी थी कि इसे हर हाल में 2029 तक लागू हो जाना चाहिए।' 'देश की महिलाएं अपने सांसदों से मिलें अपना पक्ष रखें अपेक्षाएं बताएं, जिस दिन वे सदन में आने के लिए निकलें तो फूल माला देकर उन्हें विदाई दीजिए, ताकि जब सांसद माता-बहनों का आशीर्वाद लेकर निकलेंगे न तो दूसरा निर्णय कर ही नहीं सकेंगे।' महिलाओं के लिए आरक्षण को लागू करने के उद्देश्य से 16 अप्रैल को संसद का एक सत्र बुलाया जा रहा है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' ने महिलाओं के लिए आरक्षण को नई जनगणना और परिसीमन (सीमांकन) से जोड़ दिया था। जनगणना में हुई देरी के चलते, अब 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही आगे बढ़ने की योजना है। संशोधन के बाद लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो सकती है। सरकार ने दो बड़े संशोधनों की योजना बनाई है, जिसमें एक अलग परिसीमन विधेयक भी शामिल है। महिलाओं के लिए रिजर्वेशन तय करने के लिए इन दोनों विधेयकों को संवैधानिक संशोधन के तौर पर पारित किया जाना जरूरी है। मौजूदा स्थिति को बरकरार रखते हुए, OBC आरक्षण के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है, जबकि SC/ST आरक्षण पहले की तरह ही जारी रहेगा।

महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा, 11 की मौत :मृतकों में 3 महिलाएं

2 की हालत गंभीर; वैन से टकराया सीमेंट मिक्सर ट्रक

»ठाणे (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुर्बाड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य दो लोग घायल हैं, जिन्हें उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। अब तक 6 मृतकों की

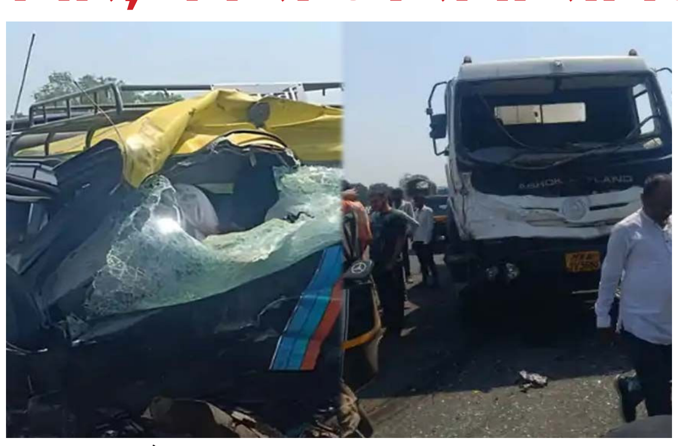

पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। वैन रोजाना की तरह आज सुबह भी पैसेंजर्स को लेकर कल्याण से मुरबाड जा रही थी। वैन में ड्राइवर समेत 12-13 लोग सवार थे। इसी दौरान रैता ब्रिज पर सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर से टक्कर हो गई। राहगीरों ने बताया कि दोनों गाड़ियां स्पीड में थीं। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। राहगीरों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को मुंबई के कल्याण इलाके में एक डंपर की टक्कर एक कार से हो गई. यह हादसा कल्याण-मुरबाड सड़क पर रायता पुल के पास सोमवार सुबह 11 बजे हुआ. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कार कल्याण से आ रही थी, तभी उसकी सीधी टक्कर एक मिक्सर ट्रक से हो गई। इस हादसे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दुख जताया है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा, "कल्याण के पास नेशनल हाईवे 61 पर दो वाहनों की टक्कर से हुए भीषण हादसे में 11 लोगों की जान जाना बेहद दुखद है.

केजरीवाल बोले-जज RSS से जुड़े संगठन के कार्यक्रम में गईं

जस्टिस स्वर्णकांता को हटाने की 10 वजह गिनाईं, आबकारी केस में खुद पैरवी की

»नई दिल्ली

अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को हाईकोर्ट जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से दिल्ली शराब घोटाला केस से हटने (रिक्यूज) की फिर मांग की। उन्होंने कोर्ट में डेढ़ घंटे दलीलें रखीं। उन्होंने कहा, मुझे पहले से ही दोषी माना जा रहा है। जस्टिस शर्मा के आदेशों में एक पैटर्न दिखता है, जिसमें ED और CBI के हर तर्क को स्वीकार किया जाता है।

केजरीवाल ने कहा- जस्टिस शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रम में 4 बार शामिल हो चुकी हैं। इसके साथ ही दिल्ली के पूर्व सीएम ने जस्टिस शर्मा को हटाने की कुल 10 वजह बताईं।

इससे पहले 6 अप्रैल को सुनवाई हुई थी। तब कोर्ट ने CBI को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि अगर कोई जज को मामले से हटाने की मांग वाली अर्जी देना चाहता है, तो दे सकता है। ट्रायल कोर्ट ने 27 फरवरी को आबकारी नीति मामले में केजरीवाल और 22 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था। इस आदेश को CBI ने चुनौती दी, जिसकी सुनवाई वर्तमान में जस्टिस शर्मा कर रही हैं।

9 मार्च को जस्टिस शर्मा ने नोटिस जारी किया और उस आदेश के उस हिस्से पर रोक लगा दी, जिसमें जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की बात कही गई थी।

उन्होंने प्रारंभिक तौर पर यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट की कुछ टिप्पणियां गलत थीं और ट्रायल कोर्ट को PMLA (मनी लॉन्ड्रिंग) की कार्यवाही स्थगित करने का निर्देश दिया।

इसके बाद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक, विजय नायर, अरुण पिल्लई और चनप्रीत सिंह रायट ने जस्टिस शर्मा को हटाने की अर्जी दाखिल की। 9 मार्च को सुनवाई के दौरान CBI के अलावा कोई मौजूद नहीं था। बिना उनकी बात सुने कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को पहली नजर में गलत बता दिया। ट्रायल कोर्ट ने पूरे दिन सुनवाई कर फैसला दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने 5 मिनट की सुनवाई में उसे गलत बता दिया। आदेश आया तो मुझे लगा कि मामला पक्षपात की तरफ जा रहा है। मैंने चीफ जस्टिस को पत्र लिखा, लेकिन वह खारिज हो गया। इसके बाद मैंने यह आवेदन दिया।

पहले आपने कहा था कि 'एप्रूवर' (गवाह बने आरोपी) के बयान मान्य हैं। लेकिन यहां सिर्फ 5 मिनट की सुनवाई के बाद आपने कहा कि ट्रायल कोर्ट की एप्रूवर के बयानों पर की गई टिप्पणियां गलत हैं। यह मेरे लिए सबसे चिंताजनक बात थी।

मैं इस अदालत के सत्येंद्र जैन बनाम ED फैसले पर भरोसा करना चाहता हूं। उस मामले में जमानत पर सुनवाई चल रही थी।

ट्रम्प-पुतिन के समर्थन के बावजूद हंगरी में चुनाव हारे ऑर्बन, 16 साल बाद सत्ता से बाहर

पुराने साथी पीटर मग्यार भारी बहुमत से जीते

»बुडापेस्ट

विक्टर ऑर्बन हंगरी का प्रधानमंत्री चुनाव हार गए हैं। वे 16 साल से सत्ता में थे। विपक्षी तिस्जा पार्टी के पीटर मग्यार अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। मग्यार पहले ऑर्बन की पार्टी फिदेस से जुड़े थे, लेकिन पार्टी में भ्रष्टाचार के खिलाफ उनसे अलग हो गए थे।

ऑर्बन दुनिया के गिने-चुने नेताओं में हैं, जिनकी करीबी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से है।

न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक, इस बार के चुनाव में करीब 80% रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। नतीजों को बड़े राजनीतिक उलटफेर के रूप में देखा जा रहा है। इसका असर यूरोप और ग्लोबल राजनीति पर पड़ेगा। BBC के मुताबिक, शुरुआती नतीजों में तिस्जा पार्टी ने 199 में 138 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, ऑर्बन की फिदेस पार्टी को सिर्फ 55 सीटें ही मिली हैं। तिस्जा को करीब 53% और फिदेस को करीब 37% वोट मिले। इन चुनाव नतीजों के बाद हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में देर रात तक जश्न चलता रहा। डेन्यूब नदी किनारे हजारों लोग जुटे। कारों के हॉर्न, झंडे और नारेबाजी के बीच जश्न चलता रहा। कई जगह लोगों ने रूसियों घर जाओ जैसे नारे लगाए। ऑर्बन ने अपनी हार स्वीकार कर ली है और अपने समर्थकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अब वे विपक्ष से देश की सेवा करेंगे।

ऑर्बन को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का करीबी सहयोगी माना जाता रहा है। हाल ही में उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने चुनाव से पहले हंगरी का दौरा किया था और उनका समर्थन किया था।

ऑर्बन यूरोप में ट्रम्प के सबसे भरोसेमंद सहयोगी रहे हैं। 2016 में ट्रम्प के पहली बार चुनाव लड़ने की घोषणा पर ऑर्बन पहले यूरोपीय नेता थे जिन्होंने उन्हें समर्थन दिया था। ऑर्बन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी माने जाते रहे हैं। उनकी राजनीति रूस से करीबी और यूरोपीय यूनियन से दूरी पर आधारित रही है। उन्होंने रूस पर लगे प्रतिबंधों का कई बार विरोध किया और यूक्रेन युद्ध जल्दी खत्म करने की बात कही।

उनके आलोचकों का कहना है कि यह रुख रूस को खुश करने के लिए है। ऑर्बन ने रूस के बड़े हमले के खिलाफ यूक्रेन को समर्थन देने की यूरोपीयन यूनियन की कोशिशों में बार-बार बाधा डाली। साथ ही उन्होंने पुतिन से करीबी रिश्ते बनाए रखे और रूस से ऊर्जा आयात पर हंगरी की निर्भरता खत्म करने से इनकार किया जीत के बाद पीटर मग्यार ने कहा कि जनता ने झूठ पर सच्चाई को चुना है। उन्होंने यूरोपीयन यूनियन (EU) और NATO के साथ रिश्ते मजबूत करने का वादा किया।

झारखंड में डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों को ऑनलाइन लेनी होगी अवकाश की स्वीकृति

»रांची

चिकित्सकों, पारा मेडिकल कर्मियों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को अब अवकाश की स्वीकृति ऑनलाइन लेनी होगी। उनकी सेवाकाल के दौरान सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन होंगी। स्वास्थ्य विभाग इसके लिए ह्यूमन रिसोर्स इंफार्मेशन सिस्टम (एचआरआइएस) लागू करने की तैयारी कर रहा है।

इस डिजिटल सिस्टम के माध्यम से मानव संसाधन प्रबंधन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीक सक्षम बनाने का प्रयास है। विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की उपस्थिति में सोमवार को एचआरआइएस के पोर्टल तैयार करने से संबंधित एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान प्रस्तावित प्रणाली के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रस्तुतिकरण के बाद अपर मुख्य सचिव ने इसके साफ्टवेयर निर्माण को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आउटसोर्सिंग एवं संविदा कर्मियों के लिए एक अगस्त से लागू किया जाए। बताया गया कि वर्तमान में विभाग में मानव संसाधन से संबंधित डेटा विभिन्न जिलों एवं संस्थानों में अलग-अलग स्वरूप में उपलब्ध होने के कारण डेटा असंगतता, निर्णय लेने में विलंब तथा रियल टाइम जानकारी के अभाव जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इन चुनौतियों के समाधान के लिए ही एचआरआइएस को एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफार्म के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह प्रणाली कर्मचारियों के पूरी सेवा अवधि (नियुक्ति से सेवानिवृत्ति तक) को एक ही प्लेटफार्म पर प्रबंधित करेगी, जिसमें नियुक्ति, उपस्थिति, अवकाश, वेतन प्रबंधन, प्रदर्शन मूल्यांकन एवं प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण मॉड्यूल सम्मिलित होंगे।

इसके साथ ही कर्मचारियों के लिए सेल्फ सर्विस पोर्टल की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रस्तावित व्यवस्था के अंतर्गत वेतन बिल का सृजन केवल आधार-आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के सफल सत्यापन के बाद ही किया जाएगा। इस सिस्टम के माध्यम से विभाग को मानव संसाधन की उपलब्धता व रिक्ति की जानकारी रियल टाइम मिलेगी। साथ ही प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होगी। बैठक में विभाग के अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज, 104 एचआइएचएल के प्रोजेक्ट डायरेक्टर रितेश गुप्ता, उपस्थिति पोर्टल से जुड़े संविदा तकनीकी विशेषज्ञों सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

BJP के राष्ट्रीय महामंत्री ने समझा यूपी मंत्रिमंडल विस्तार से लेकर बड़े बदलावों तक का गणित

योगी से मिलकर दिल्ली रवाना

»लखनऊ

भाजपा पदाधिकारियों की दिल्ली से लेकर लखनऊ तक की भागदौड़ ने प्रदेश की राजनीतिक गर्माहट बढ़ा दी है। राजधानी पर नए राजनीतिक कयासों के बादल मंडरा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के बाद राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट के बड़े निहितार्थ हैं। चुनावी वर्ष में भाजपा ने मंत्रिमंडल एवं संगठन में अहम बदलावों के जरिए बड़ा चुनावी संदेश देने का गुणा गणित समझा है। बंगाल चुनाव के आसपास बदलाव की संभावना ज्यादा है। प्रदेश इकाई ने फरवरी-मार्च में संगठन से लेकर सरकार के विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया। संघ और संगठन के बीच महत्वपूर्ण बैठकें हुईं। लेकिन इसके बाद लंबी खामोशी के बाद अचानक हलचल तब बढ़ी, जब प्रदेश अध्यक्ष एवं संगठन महामंत्री ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। अगले दिन लखनऊ में दोनों सीएम योगी से मिले। अगले

दिन राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े को लखनऊ भेजा गया, जहां उन्होंने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, सूर्यप्रताप शाही एवं भूपेंद्र चौधरी समेत कई मंत्रियों एवं संगठन पदाधिकारियों से मिलकर मंत्रिमंडल विस्तार, क्षेत्रीय अध्यक्षों के समीकरण एवं प्रदेश इकाई में पदाधिकारियों को लेकर फीडबैक लिया। लखनऊ में दो दिनी ठहराव के बीच तावड़े ने नौ साल के कार्यकाल के दौरान सरकार के प्रति सत्ता रोधी रुझान एवं पीडीए के नैरेटिव के असर की थाह ली। संगठन के चुनावी होमवर्क की प्रगति रिपोर्ट को परखा। चुनावी दंगल में उतरने से पहले पार्टी ने बड़े बदलावों के साथ कार्यकर्ताओं के बीच नए तेवर के साथ पहुंचने की रणनीति बनाया है। पिछले माह प्रदेशभर में नगरीय निकायों में 2802 सभासदों के समायोजन का परिणाम सकारात्मक मिलने से उत्साहित भाजपा निगम, आयोग, बोर्ड एवं प्राधिकरणों की रिक्तियां भरना चाहती है। प्रदेश एवं क्षेत्रीय संगठन के निर्माण एवं मंत्रिमंडल विस्तार में पीडीए फैक्टर का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

ममता ने कहा - 19 राज्य और केंद्र सरकार मेरे खिलाफ; अकेले लोगों के लिए लड़ रही हूं

शाह बोले- TMC ने बंगाल के 5000 करोड़ गायब किए

»नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में जनसभा की। उन्होंने कहा कि ममता दीदी कहती हैं कि महिलाओं को शाम 7 बजे के बाद घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। उन्हें शर्म आनी चाहिए। हमारी सरकार आएगी तो बच्चियां रात 1 बजे भी बाहर निकल पाएंगी।

TMC सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कैश फॉर क्वेरी, 26 हजार शिक्षकों की भर्ती, गाय तस्करी और पीएम आवास में TMC ने घोटाले किए। इन घोटालों में बंगाल की जनता के 5000 करोड़ रुपए गायब हो गए। हमारी सरकार बनते ही हम TMC से पाई-पाई का हिसाब लेंगे। UCC (समान नागरिक संहिता) पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम बंगाल में UCC लाएंगे। आज बंगाल में कुछ लोग चार शादियां करते हैं, हमारे कानून बनने के बाद वे ऐसा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि TMC ने BSF की फेंसिंग के लिए जमीन नहीं दी। हमारी सरकार बनते ही BSF को राज्य की सीमा पर फेंसिंग के लिए जमीन दे दी जाएगी।

वहीं पश्चिम बंगाल के सूरी में एक चुनावी सभा के दौरान ममता बनर्जी ने कहा- 19 राज्य और केंद्र सरकार मेरे खिलाफ एकजुट हो गए हैं, मैं अकेले ही आम लोगों के लिए लड़ रही हूं। बीरभूम TMC का मजबूत गढ़ माना जाता है। 2021 में बीरभूम जिले की 11 में से 10 सीटों पर TMC जीती थी। यहां ध्रुवीकरण भी एक बड़ा मुद्दा रहा

है। बीरभूम में 63% हिंदू और 37% मुस्लिम आबादी है। BJP ने पिछले कुछ सालों में यहां अपना जनाधार बढ़ाया है और अवैध बालू खनन, भ्रष्टाचार और हिंसा जैसे मुद्दों को लेकर TMC को घेर रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा के बारे में X पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि असम के मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच होनी चाहिए, क्योंकि पारदर्शिता और कानून का शासन ही संवैधानिक मूल्य हैं। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि वह पवन खेड़ा के साथ खड़ी है और किसी भी दबाव में नहीं झुकेगी। भाजपा नेता और पूर्व डीजीपी दिनेश रेड्डी ने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो यहां 'डबल इंजन' की सरकार बनेगी, जिसका तमिलनाडु की जनता इंतजार कर रही है। तमिलनाडु के चेन्नई भाजपा नेता आर. सरथ कुमार ने मायलापुर से पार्टी उम्मीदवार तमिलिसाई सुंदरराजन के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कहा कि वे यहां की सभी समस्याओं का समाधान करेंगी। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन चेन्नई के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। उनके आगमन पर वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं और आयोजकों ने उनका स्वागत किया। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्द्धमान में AIMIM अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने हुमायूं कबीर की पार्टी (AJUP) से गठबंधन टूटने के बाद कहा कि वे जनता की आवाज हैं और बंगाल के लोगों की अखंडता पर सवाल उठाने वालों को स्वीकार नहीं करेंगे। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता और परवूर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार वी.डी. सतीशन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है। उन्होंने मांग की है कि चुनाव आयोग तुरंत मतदान प्रतिशत के आंकड़े जारी करे। इसके अलावा, उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मतदान प्रतिशत और पोस्टल वोटिंग की स्थिति को वेबसाइट पर सार्वजनिक करने की भी मांग की है।

करीब 80 सेमी बारिश का अनुमान

इस साल मानसून कमजोर रहेगा, अल नीनो का असर

»नई दिल्ली

भारत मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान है। वहीं दक्षिण-पश्चिम मानसून 1 जून के आसपास केरल तट पर पहुंच सकता है। इसके बाद यह आगे बढ़ते हुए भोपाल सहित मध्य भारत में 15 से 20 जून के बीच दस्तक देगा।

पिछले साल मानसून तय समय से 8 दिन पहले यानी 24 मई को ही केरल पहुंच गया था। मानसून केरल से आगे बढ़ते हुए महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आमतौर पर मध्य जून तक पहुंचता है। 11 जून तक मुंबई और 8 जुलाई तक पूरे देश में फैल जाता है।

इसकी वापसी उत्तर-पश्चिम भारत से 17 सितंबर को शुरू होती है और यह पूरी तरह 15 अक्टूबर तक लौट जाता है। अल नीनो इफेक्ट की वजह से मानसून में देरी हो सकती है। हालांकि सीजन के आखिर में थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस बार देश में मानसून सीजन के दौरान करीब 80 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है, जबकि 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर लॉन्ग पीरियड एवरेज 87 सेंटीमीटर है।

IMD के डिप्टी डायरेक्टर जनरल डॉ. एम. मोहापात्रा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस साल देश में कुल बारिश लॉन्ग पीरियड एवरे का करीब 92% रहने का अनुमान है, जिसे सामान्य से कम कैटेगरी में रखा गया है। मौसम विभाग ने 1971-2020 की अवधि के आधार पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (LPA) को 87 सेमी (870 मिमी) निर्धारित किया है। इसका मतलब है कि अगर किसी साल की बारिश 87 सेमी से ज्यादा होती है, तो उसे सामान्य से अधिक माना जाता है। अगर कम हो तो कमजोर मानसून माना जाता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, जून के आसपास अल नीनो की स्थिति विकसित हो सकती है। यह आमतौर पर भारत में मानसून को कमजोर करता है, जिससे बारिश में कमी और ब्रेक की स्थिति बन सकती है। हालांकि, सीजन के आखिर (सितंबर) में इंडियन ओशन डाइपोल (IOD) के पॉजिटिव फेज में आने की संभावना है। यह स्थिति आमतौर पर बारिश को बढ़ाती है, जिससे अल नीनो के असर की कुछ भरपाई हो सकती है।

105 सीटों के लिए 3500 आवेदन आए

तेलंगाना के सरकारी स्कूल में एआई से पढ़ाई

»हैदराबाद

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से 104 किमी दूर नलगोंडा स्थित कोमटिरेड्डी प्रतीक सरकारी स्कूल का पूरी तरह कायाकल्प किया गया है। अब यह एसी कैंपस, 36 स्मार्ट क्लास, आधुनिक लैब, लाइब्रेरी और एआई आधारित पढ़ाई से लैस मॉडल सरकारी स्कूल बन गया है। स्कूल में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर है। कक्षा 2 और 3 के लिए खेल व गतिविधि आधारित शिक्षण, कहानी, फॉनिक्स, ऑडियो-वीडियो और प्रैक्टिकल लर्निंग की व्यवस्था की गई है। पर्यावरण शिक्षा के लिए किचन गार्डन भी बनाया गया है। स्कूल में स्वच्छ शौचालय, शुद्ध पेयजल, डाइनिंग हॉल और हर मंजिल के लिए लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध है। ये सभी सुविधाएं छात्रों को पूरी तरह निःशुल्क दी जा रही हैं। तेलंगाना के सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी ने अपने ट्रस्ट से 8 करोड़ रुपये खर्च कर स्कूल का पुनर्निर्माण कराया है। सीटें सीमित होने से समय पर आवेदन करने वाले छात्रों को ही प्रवेश मिला है, जिससे एडमिशन के लिए पैरेंट्स की लंबी लाइन लग रही हैं। स्कूल में 12 शिक्षक और करीब 250 बच्चे हैं। अब तक 3500 आवेदन फार्म अभिभावक ले जा चुके हैं। इनमें से 2084 आवेदन फार्म जमा भी हो गए हैं। लेकिन सीटें सिर्फ 105 हैं। मंत्री ने सरकार को प्रपोजल दिया है कि इस स्कूल में शिक्षकों की संख्या बढ़ाई जाए। मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि मेरे 19 साल के बेटे प्रतीक की 2011 में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। उसकी याद को बनाए रखने के लिए मैंने मन बनाया था कि बेटे की याद में एक स्कूल बनाऊंगा या किसी स्कूल की मदद करूंगा, जहां शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाई जा सके।

नोएडा में हिंसक प्रदर्शन, 50 फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ :शोरूम के बाहर कारें फूंकी

150 गाड़ियां तोड़ीं; योगी ने हाईलेवल कमेटी बनाई

»नोएडा

नोएडा में सोमवार को फैक्ट्री कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। 9 अप्रैल से सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे सैकड़ों कर्मचारी हाथ में डंडे-लाठी लेकर सड़कों पर उतर आए। कर्मचारियों ने अलग-अलग इलाकों में 50 से ज्यादा फैक्ट्रियों में पथराव, तोड़फोड़ की। 150 से ज्यादा गाड़ियों में तोड़फोड़ और करीब 50 से ज्यादा फूंक दीं। पुलिस की गाड़ियां भी पलट दी।

हालात बिगड़े तो कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने उन पर पथराव कर दिया। फिर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक मांगें नहीं मानी जातीं, वो रुकेंगे नहीं।

कई कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। खास बात है कि इस प्रदर्शन का कोई चेहरा या लीडर नहीं था। 18 से 30 साल के युवा हिंसक प्रदर्शन कर रहे थे। उधर, योगी सरकार ने जांच के लिए हाईलेवल कमेटी बनाई है। सीएम ने कहा, औद्योगिक अशांति पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहें। हमारी सरकार श्रमिकों के साथ में है। सबसे पहले फेज-2 इलाके में हालात खराब हुए। सुनवाई न होने से कर्मचारी उग्र हो गए। पथराव कर दिया। फेज-2 के बाद धीरे-धीरे प्रदर्शन नोएडा के करीब 10 इंडस्ट्रियल इलाकों और आसपास के जिलों में फैल गया।

कर्मचारियों ने नोएडा सेक्टर-57 में 30 से ज्यादा फैक्ट्रियों और दफ्तरों में तोड़फोड़ की। सेक्टर- 40 और 60 में कंपनियों का घेराव किया। सेक्टर 85 में डिक्सन कंपनी का गेट तोड़ दिया। सेक्टर 1, 15, 62 और DND फ्लाइओवर के पास सड़क जाम कर दी। हालात को काबू करने के लिए कुछ इलाकों में RAF और PAC उतार दी गई है। DGP राजीव कृष्ण और ADG (लॉ एंड ऑर्डर) अमिताभ यश कंट्रोल रूम से स्थिति पर नजर रखते हुए हैं। डीजीपी ने कहा है कि अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करेंगे। पुलिस के मुताबिक, नोएडा का फेज-2 इलाका इंडस्ट्रियल एरिया है। यहां मदरसन, ऋचा ग्लोबल, रेनबो, पैरामाउंट, एसएनडी और अनुभव कंपनियों के 1000 से ज्यादा कर्मचारी सैलरी बढ़ाने को लेकर पिछले 3 दिन से प्रदर्शन कर रहे थे। करीब 500 कर्मचारी मदरसन कंपनी के बाहर जुटे थे। सबसे पहले यहीं हिंसा हुई। यूपी सरकार ने वर्कर्स के हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए हाई लेवल कमेटी बनाई है। कमेटी में औद्योगिक विकास आयुक्त अध्यक्ष होंगे, जबकि अपर मुख्य सचिव (एमएसएमई), प्रमुख सचिव (श्रम) और श्रम आयुक्त सदस्य हैं। श्रमिक संगठनों के 5 और उद्यमी संघ के 3 प्रतिनिधि भी शामिल किए गए हैं। सरकार ने समिति को जल्द रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। नोएडा में हुए श्रमिक बवाल को लेकर एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर राजीव नारायण मिश्रा ने बताया- अब तक 60 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। करीब 200 लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि एफआईआर अभी दर्ज की जा रही है और जैसे-जैसे उपद्रवियों की पहचान होती जाएगी, आरोपियों की संख्या बढ़ती जाएगी।

सोनिया गांधी का दावा- महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन असली मुद्दा

पूछा- चुनाव प्रचार के बीच विशेष सत्र की क्या जरूरत; 3 पार्टियों का व्हिप जारी

»नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को महिला आरक्षण को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने द हिन्दू (अखबार) में लिखा कि पीएम विपक्षी दलों से उन बिलों का समर्थन करने की अपील कर रहे हैं, जिन्हें सरकार संसद के विशेष सत्र में जबरदस्ती पास कराना चाहती है।

उन्होंने लिखा कि यह सब तब हो रहा है जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। इस जल्दबाजी का सिर्फ एक ही मकसद राजनीतिक फायदा उठाना है। सरकार ने 2023 में ही 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को संसद में पास कर लिया था, लेकिन इसे अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू करने की शर्त रखी गई।

वहीं संसद के विशेष सत्र के लिए कांग्रेस, भाजपा और जेडीयू ने व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक अपने सभी सांसदों को संसद में मौजूद रहने को कहा है। महिला आरक्षण पर सोनिया ने लिखा- राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि इसे 2024 के चुनाव से ही लागू किया जाए, लेकिन सरकार ने इसे नहीं माना। अब अनुच्छेद 334-A में बदलाव कर महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने की तैयारी है। ऐसे में प्रधानमंत्री को यू-टर्न लेने में 30 महीने क्यों लगे?

उन्होंने सवाल किया कि 5 राज्यों के चुनाव खत्म होने तक इंतजार क्यों नहीं किया गया। इतनी हड़बड़ी की क्या जरूरत है, जबकि विपक्ष तीन बार चिट्ठी लिखकर कह चुका है कि पहले 29 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खड़गे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भई विस्तार से चर्चा की जाए। विशेष सत्र के लिए कांग्रेस, भाजपा और जेडीयू ने व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक अपने सभी सांसदों को संसद में मौजूद रहने को कहा है। BJP ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी किया था, जबकि कांग्रेस और जेडीयू ने सोमवार को व्हिप जारी किया। इससे पहल रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के फ्लोर लीडर्स को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन मांगा। पीएम ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस कानून को पूरे देश में सही मायनों में लागू किया जाए।

'बंगाल SIR में जिनके नाम कटे, वे वोट नहीं देंगे' :सुप्रीम कोर्ट बोला- इस स्टेज पर दखल नहीं देंगे

आपत्तियां आती रहीं तो चुनाव कैसे होगा

»नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में उन वोटरों को मतदान करने की इजजात देने से इनकार कर दिया है जिनके नाम स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान काट दिए गए हैं। ऐसे वोटरों के मामले अपीलीय ट्रिब्यूनलों के पास लंबित हैं।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि अगर हम ऐसे वोटरों को वोट डालने की इजाजत देंगे तो उन लोगों के वोटिंग अधिकार छीनने होंगे जिनके नाम SIR लिस्ट में शामिल हैं। कोर्ट ने कहा कि वोटिंग से 10 दिन पहले, इस स्टेज पर चुनाव प्रक्रिया में कोई दखल नहीं देंगे।

CJI ने कहा कि अगर SIR प्रक्रिया को लेकर ऐसे ही आपत्तियां आती रहीं, तो चुनाव कैसे होंगे। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 11 अप्रैल तक 34 लाख से अधिक अपीलें दायर की जा चुकी हैं जिनपर फैसला आना बाकी है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चुनाव परिणाम में तभी दखल दिया जाएगा, जब बड़ी संख्या में मतदाता बाहर किए गए हों और वह संख्या जीत के अंतर को प्रभावित करती हो। जस्टिस बागची ने आयोग से कहा- मान लीजिए कि जीत का अंतर 2% है और 15% मतदाता वोट नहीं डाल सके, तो हमें इस पर सोचना होगा। यह चिंता का मामला हो सकता है। यह मत समझिए कि बाहर किए गए मतदाताओं का सवाल हमारे दिमाग में नहीं है।

जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि SIR प्रक्रिया में काम कर रहे न्यायिक अधिकारियों से भी जांच प्रक्रिया के दौरान कुछ गलतियां हुई होंगी। उन्होंने कहा- न्यायिक अधिकारियों से 100% सटीकता की उम्मीद नहीं की जा सकती, क्योंकि वे बहुत प्रेशर में काम कर रहे हैं।

जस्टिस बागची ने कहा कि जब कोई अधिकारी रोज 1000 से ज्यादा दस्तावेजों की जांच करता है और समयसीमा भी कड़ी होती है, तो 70% सटीकता भी बेहतरीन मानी जाएगी। इसलिए एक मजबूत अपीलीय तंत्र जरूरी है। पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए। लगभग 11.85% वोटर कम हो गए। यानी अब राज्य में 6.76 करोड़ वोटर हैं।

चुनाव आयोग ने फाइनल आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इसके अलावा जांच के तहत आए 60.06 लाख वोटरों में से 27.16 लाख के नाम हटाए गए। बांग्लादेश सीमा से लगे जिलों में भी बड़े स्तर पर नाम हटे। नॉर्थ 24 परगना में 5.91 लाख में से 3.25 लाख नाम हटे। वहीं, 8.28 लाख में से 2.39 लाख नाम हटे।

ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहली ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले भारतीय जहाजों से अब तक कोई टोल नहीं लिया गया है

ईरान पर अमेरिकी नेवी की नाकाबंदी शुरू :टोल देने वाले को होर्मुज पार करने की इजाजत नहीं

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से ईरान पर लगाई गई समुद्री नाकाबंदी शुरू हो गई है। यह फैसला आज शाम 7:30 बजे (अमेरिकी समयानुसार सुबह 10 बजे) से लागू हुआ।

इस फैसले के तहत जो भी जहाज होर्मुज से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोककर जांच की जाएगी। खास तौर पर उन जहाजों पर नजर रखी जाएगी, जिन्होंने ईरान को टोल दिया है।

ट्रम्प ने कल कहा था कि जो जहाज ईरान को गैरकानूनी टोल देंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। इससे ईरान की आर्थिक ताकत कम की जाएगी।

वहीं, भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहली ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले भारतीय जहाजों से अब तक कोई टोल नहीं लिया गया है। ईरान यहां से भारतीय जहाजों को सुरक्षित गुजरने में मदद करेगा। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर कोई भी ईरानी जहाज अमेरिकी नाकाबंदी के पास आता है, तो उसे तुरंत खत्म कर दिया जाएगा। इसके लिए वही तरीका इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे समुद्र में ड्रग तस्करों के जहाज रोके जाते हैं यानी बहुत तेजी और सख्ती से।

ट्रम्प ने कहा है कि ईरान की नौसेना को भारी नुकसान हुआ है और उसके कई जहाज तबाह हो चुके हैं। ईरान के 158 जहाज तबाह हो चुके हैं और अब उसकी नौसेना समुद्र के नीचे पड़ी है। हालांकि, ट्रम्प ने यह भी बताया कि कुछ छोटे फास्ट अटैक शिप्स को निशाना नहीं बनाया गया, क्योंकि उन्हें ज्यादा खतरा नहीं था। ईरान की कोर्ट ने महिला फुटबॉल टीम की कप्तान जहरा गनबरी की जब्त प्रॉपर्टी वापस कर दी है। जहरा गनबरी उन खिलाड़ियों में शामिल थीं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एशियन कप के दौरान शरण मांगी थी। यह टूर्नामेंट ईरान जंग के शुरुआती दिनों में हुआ था। हालांकि, बाद में गनबरी समेत पांच खिलाड़ी और एक स्टाफ सदस्य ईरान वापस लौट आए थे। उनका 19 मार्च को तेहरान में स्वागत भी किया गया था।

ईरान की मीडिया के अनुसार, गनबरी की संपत्ति कोर्ट के आदेश से वापस की गई और यह फैसला उनके व्यवहार में बदलाव और निर्दोष साबित होने के बाद लिया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से ईरान पर लगाई गई समुद्री नाकाबंदी शुरू हो गई है। यह फैसला आज शाम 7:30 बजे (अमेरिकी समयानुसार 10 बजे सुबह) से लागू हुआ।

इस फैसले के तहत जो भी जहाज होर्मुज के रास्ते से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोककर जांच की जाएगी। खास तौर पर उन जहाजों पर नजर रखी जाएगी, जिन्होंने ईरान को टोल दिया है। ट्रम्प ने कल कहा था कि जो जहाज ईरान को गैरकानूनी टोल देंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। इससे ईरान की आर्थिक ताकत कम की जाएगी।

वहीं, भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहली ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले भारतीय जहाजों से कोई टोल नहीं लिया गया है। ईरान यहां से भारतीय जहाजों को सुरक्षित गुजरने में मदद करेगा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उम्मीद जताई है कि अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर वार्ता फिर से शुरू हो सकती है। उनहोंने कहा कि अगली मीटिंग तक सब ठीक रहा तो हम किसी नतीजे पर पहुंच जाएंगे। इससे पहले शनिवार को अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद में करीब 20 घंटे तक चली बातचीत के बाद भी कोई समझौता नहीं हो पाया था। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनका देश ईरान पर अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी का समर्थन करता है। राष्ट्रपति ट्रम्प का यह फैसला सही है और इजराइल इस मामले में अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहा है।

नेतन्याहू ने एक बैठक में कहा कि ईरान ने पाकिस्तान में हुई शांति वार्ता के नियमों का उल्लंघन किया, जिसके बाद ट्रम्प ने यह कड़ा कदम उठाया। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने UAE के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से बीजिंग में मुलाकात की। इस दौरान चीन ने UAE के साथ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। ली कियांग ने कहा कि दोनों देश ऊर्जा, एनर्जी स्टोरेज, हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे नए सेक्टर में मिलकर काम कर सकते हैं। चीन ने यह भी कहा कि मौजूदा तनाव के बीच UAE को अपने देश में मौजूद चीनी नागरिकों, कंपनियों और प्रोजेक्ट्स की सुरक्षा के लिए मजबूत कदम उठाने चाहिए।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में राजस्थान का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। राजस्थान की टीम ने युवा रियान पराग की कप्तानी में अपने अब तक के सभी चारों मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। सनराइजर्स की कमजोरी इस बार भी गेंदबाजी रही है। यहां की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप है और ऐसे में अगर सनराइजर्स की टीम टॉस जीतती है तो उसका लक्ष्य पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। इस सत्र में अब तक राजस्थान हावी रही है। ऐसे में इस मैच में भी उसका पलड़ा भारी है। आंकडों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 21 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स से 12 जबकि रॉयल्स ने 9 जीते हैं।

गौरतलब है कि इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी आईपीएल मुकाबला पिछले सीजन हैदराबाद के मैदान पर ही खेला गया था जिसे मेजबान टीम ने 286 रन का स्कोर डिफेंड करके राजस्थान रॉयल्स से 44 रनों से जीता। बताते चलें कि इस मुकाबले में ईशान किशन ने महज़ 47 गेंदों पर नाबाद 106 रनों की तूफानी शतकीय पारी खेली थी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड पर आधारित रहेगी। वहीं रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के जैसे बल्लेबाजों के अलावा शिवम दुबे जैसा ऑलराउंडर है। गेंदबाजी में उसके पास जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई हैं। सनराइजर्स के पस गेंदबाज के तौर पर ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाज हैं।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा।

राजस्थान रॉयल्स- शिवम दुबे, वैभव सुर्यवंशी, डेवोन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, शिमरन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, युद्धवीर सिंह, रवींद्र जडेजा, सैम करन, जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई सुशांत मिश्रा, यशराज पुंजा, विग्नेश पुथुर, रवि सिंह , अमन राव, बृजेश शर्मा, कुलदीप सेन और एडम मिलने।

ओवरटन को दिया जाना चाहिये था प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड : जाफर

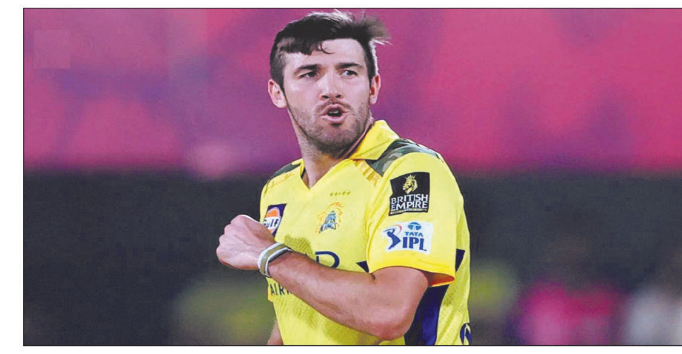

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की दिल्ली कैपटल्स के खिलाफ जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की भूमिका अधिक बड़ी थी। इसलिए संजू सैमसन की जगह पर जेमी ओवरटन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया जाना चाहिये था। उन्होंने कहा कि ओवरटन की गेंदबाजी से ही मैच में बदलाव आया जिससे दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सैमसन को 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया जबकि बल्लेबाजों के लिए सहायक पिच पर ओवरटन ने केवल 18 रन देकर चार विकेट लेकर कैपिटल्स की बल्लेबाली को ढ़हा दिया था। इससे दिल्ली 189 रनों पर ही सिमट गयी। जाफर ने कहा, मैरा मानना है कि अवॉर्ड ओवरटन को मिलना चाहिए था। अगर उन्होंने घातक गेंदबाजी नहीं की होती तो सीएसके नहीं जीत पाती क्योंकि उन्होंने बहुत बड़े विकेट लिए। चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिए जबकि लक्ष्य 210 रनों का था। इसलिए लगता है कि यही वह अंतर था जिससे कैपिल्स उबर नहीं पायी। उन्होंने ये माना कि अगर सैमसन शतक नहीं लगाते तो टीम 200 से ऊपर नहीं पहुंच पाती पर कहा कि इस मैच में बल्लेबाजी आसान थी पर गेंदबाजी नहीं।

नितीश राणा और रुतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना

चेन्नई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में दौहरा झटका लगा है। मैच में हार के बाद अब दिल्ली के बल्लेबाज नितीश राणा पर अंपायर के फैसले के खिलाफ का विरोध करने के लिए मैच फीस का 25 जुर्माना लगा है। वहीं विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा है। मैच के दौरान ग्लव्स बदलने को लकर राणा की चौथे अंपायर से काफी बहस हुई थी। यह मामला 19वें ओवर का है। उस समय अंपायर ने कैपिटल्स के बल्लेबाज ट्रिस्टन का कहना था कि उनके ग्लव्स पसीने से गीले हो गये हैं, इसलिए वह इन्हें बदलना चाहते है। ऐसे में राणा भड़क गये और चौथे अंपायर से उनकी बहस शुरु हो गयी। इस कारण उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ।

आईपीएल की ओर कहा गया कि बल्लेबाज राणा पर उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके नाम पर आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। उन्हें आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। दूसरी ओर विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज पर भी मैच में धीमी ओवर गति बनाए के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ऐस में सीएसके की पहली जीत की खुशी कम हो गयी। यह सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था। इसलिए उनपर कम जुर्माना लगा है।

गिल और बटलर के अर्धशतक, गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराया

लखनऊ (एजेंसी)। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी।

सुपर जायंट्स को आठ विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस के सलामी बल्लेबाजों ने रक्षात्मक नीति अपनाते हुए शुरुआती चार ओवरों में सिर्फ 25 रन बनाए। शुभमन गिल ने पांचवें ओवर में शमी के खिलाफ छक्का और तीन चौके लगाकर ओवर से 20 रन बटोरे। गिल ने इस दौरान आईपीएल में अपने 4000 रन पूरे किए। अगले ओवर में गेंदबाजी के लिए आए राठी ने पहली ही गेंद पर सुदर्शन को चलता किया। क्रीज पर आए बटलर ने इसी ओवर में चौके से टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। राठी के अगले ओवर में पंत ने बटलर का आसान कैच टपका कर उन्हें जीवनदान दिया।

गिल ने दूसरे छोर से जॉर्ज लिंडे के खिलाफ चौका लगाया, तो वहीं बटलर ने जोखिम लिए बिना आवेश और राठी की गेंदों को बाउंड्री के पार भेजा। गिल ने 12वें ओवर में आवेश खान के खिलाफ एक रन चुराकर 34 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया, तो वहीं बटलर ने ओवर का समापन हैट्रिक चौकों से किया। उन्होंने लिंडे की गेंद पर एक रन दौड़कर 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। टी20 प्रारूप में यह बटलर का 100वां अर्धशतक है। प्रिंस ने गिल को, तो वहीं शमी ने बटलर को आउट कर टाइटंस को सात गेंद के अंदर दो झटके देकर टीम की वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 21) और राहुल तेवतिया (नाबाद 10) ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की औपचारिकता पूरी की।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मिचेल मार्श (चार गेंद में 11 रन) ने दूसरे ओवर में रबाडा का स्वागत लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर किया, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस अनुभवी गेंदबाज ने धीमी गेंद पर उन्हें चकमा देकर गिल के हाथों कैच करा दिया। मारक्रम ने इस ओवर का अंत चौके से किया, जिससे टीम ने 19 रन बटोरे। दूसरे छोर से सिराज ने 11 गेंद की पारी में एक छक्का और एक चौका लगाने वाले पंत को आउट कर सुपर जायंट्स को बड़ा झटका दिया। मारक्रम ने अशोक की गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर छठे ओवर में टीम का अर्धशतक पूरा किया।

आयुष बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में हारे, रजत पदक मिला

निंगबो ।भारत के आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में हार के साथ ही रजत पदक ही मिल पाया है।आयुष को विश्व के दूसरे नंबर-2 खिलाड़ी चीन के शि युकी ने सीधे गेम में 21-8, 21-10 से हराया। युवा भारतीय खिलाड़ी आयुष मैच में हावी नहीं हो पाये और चीनी खिलाड़ी युकी ने पूरे समय अपना दबदबा बनाये रखा।आयुष की हार के साथ ही बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पुरुष एकल खिताब सपना फिर टूट गया है।इस टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन काफी अच्छा रह।।इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले आयुष अब तक के दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने है।इससे पहले ये उपलब्धि दिनेश खन्ना ने साल 1965 में हासिल की थी।

धोनी की तरह है सैमसन का स्वभाव : गेंदबाजी कोच

चेन्नई (ईएमएस)।चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक साइमन ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भी भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जैसे है। कोच के अनुसार जिस प्रकार धोनी शांत रहते हैं और कठिन हालातों में भी दबाव में नहीं आते, एसा ही सैमसन के साथ भी है। सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती तीन मैचों में विफल होने के बाद तीसरे मैच में शानदार वापसी करते हुए बड़ी पारी खेली। साइमन ने कहा कि सैमसन भी शांत रहते हैं और उन्हें भी धोनी की तरह ही खेल की काफी समझ है।उन्होंने धोनी को अब तक के सबसे शांत खिलाड़ियों में से एक बताया है। साइमन ने कहा कि सैमसन भी बिल्कुल वैसी ही सोच रखते हैं, वे कभी घबराते नहीं और अपना मनोबल बनाये रखते हैं। वह धोनी की तरह ही तैयारी में ज्यादा जोर नहीं लगाते। साइमन ने कहा, 'मुझे कई सालों तक धोनी के साथ खेलने और उनके साथ जुड़े रहने का मौका मिला है। वे सबसे शांत क्रिकेटरों में से एक हैं, जिनसे मैं मिला हूं। सैमसन भी इसी प्रकार के स्वभाव वाले हैं। वह भी खेल को इसी प्रकार से समझते हैं। मैंने उनके अंदर कोई भव नहीं देखा है।' साइमन ने कहा कि सैमसन जैसे क्लास के खिलाड़ी खराब फॉर्म से अपने आप उबर जाते हैं।उनकी क्षमताओं पर कोई सवाल नहीं उठा सकता है।उन्होंने बताया कि बड़े खिलाड़ियों को फार्म में नहीं होने पर भी अपने कौशल पर भरोसा रखते हुए मनोबल बनाये रखना चाहिये। साइमन ने कहा, 'सभी जानते हैं कि खराब फॉर्म सिर्फ अस्थायी है। इसलिए सफलता के लिए सैमसन जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा जताना जरुरी है।'

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम में स्थिरता: चयन पैनल का निरंतरता पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले दो मैचों के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह महत्वपूर्ण फैसला नए चयन पैनल द्वारा लिया गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में खेलने वाली टीम पर ही पूर्ण भरोसा जताते हुए निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया है। इस कदम को खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और एक स्थिर टीम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

चार सदस्यीय चयन समिति, जिसकी अगुवाई अनुभवी हबीबुल बशर सुमोन कर रहे हैं, ने अपनी चयन नीति स्पष्ट की है। पैनल का मानना है कि खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त मौके देना अत्यंत आवश्यक है। हबीबुल बशर ने इस फैसले पर रोशनी डालते हुए कहा, हमारी नीति है कि टीम में आने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके दिए जाएं। हम निरंतरता में विश्वास रखते हैं, इसलिए इस सीरीज के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान टीम प्रबंधन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तत्काल परिणाम की बजाय दीर्घकालिक योजना और खिलाड़ी विकास को प्राथमिकता दी गई है।

इस नीति का एक प्रमुख उदाहरण सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का टीम में बरकरार रहना है। सैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में तीन मैचों में केवल 52 रन बनाए थे, जो उनकी फॉर्म पर सवाल उठा रहा था। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने उन्हें और मौके देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में चयनकर्ता ने कहा, हम उन्हें और मौके देना चाहते हैं। हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते और बार-बार टीम में बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के मन से असुरक्षा की भावना को कम करने और उन्हें अपनी स्वाभाविक खेल शैली को प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद करेगा। चयन पैनल का यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट में एक नई दिशा का सूचक है, जहां स्थिरता और खिलाड़ियों के भरोसे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि वे दबाव मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

न्यूजीलैंड दौरे का कार्यक्रम

न्यूजीलैंड टीम सोमवार को बांग्लादेश पहुंचेगी। इस दौरे में 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाएंगे।

पहला और दूसरा वनडे- 17 और 20 अप्रैल, ढाका

तीसरा वनडेः 23 अप्रैल, चट्टोग्राम

टी20 सीरीजः 27, 29 अप्रैल और 2 मई

बांग्लादेश टीम (स्क्वाड) - लिटन दास, तंजीद हसन, सौम्य सरकार, सैफ हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम, अफीफ हुसैन, मेहदी हसन मिराज (कप्तान), रिशाद हुसैन, तानवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, शोरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान।

बाबर आजम पीएसएल में 4000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

लाहौर ।स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपने 4000 रन पूरे कर लिये है। पीएसएल में ये रिकार्ड बनाने वाले वह पहले पाक बल्लेबाज हैं। बाबर ने अपने 4000 रन लाहौर कलंदर्स के खिलाफ लीग स्तर के मैच में पूरे किये।इस मैच में पेशावर ज़ल्मी की कप्तानी करते हुए बाबर ने 40 गेंद पर ही 43 रन बना दिये।इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 107.50 का रहा और उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक छक्का और तीन चौके लगाए।अब बाबर के 104 मैचों में कुल 4004 रन हो गए हैं। बाबर के नाम इस लीग में 2 शतक और 37 अर्धशतक भी हैं। वह साल 2016 में पीएसएल की शुरुआत से ही इस लीग में खेल रहे हैं। इसमें उनका औसत 45.50 है। बाबर ने इस लीग में सबसे पहले इस्लामाबाद यूनाइटेड से खेला था। इसके बाद वह 2017 से ही कराची किंग्स में शामिल हुए और उसमें छह साल तक शामिल रहे। इससे पहले वह पेशावर ज़ल्मी में आ गए और तभी से उसकी ओर से खेल रहे हैं। बाबर के अच्छे प्रदर्शन से अभी पेशावर ज़ल्मी इस सत्र में शीर्ष पर है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इसी साल हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही पाक टीम के बाहर चल रहे बाबर क प्रयास इस लीग में अपने प्रदर्शन के बल पर वापसी करना है। इस सत्र में उन्होंने एक अर्धशतक सहित चार मैचों में 212 रन बनाए हैं। वहीं फखर जमां लीग में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। फखर के नाम इस लीग में 3039 रन हैं। वह पीएसएल में 100 मैच खेलने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 87 पारियों में 2853 रन हैं।

वैभव सूर्यवंशी:इतिहास रचने के मुहाने पर 1000 टी20 और 500 आईपीएल रन

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकॉर्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हॉज और शॉन मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकॉर्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकॉर्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। अपनी आक्रामक शैली और निडर अप्रोच के साथ, वैभव के लिए यह रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल नहीं लगता।

आईपीएल में भी यह युवा खिलाड़ी एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्हें 500 आईपीएल रन पूरे करने के लिए सिर्फ 48 रनों की आवश्यकता है। यदि वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह गौतम गंभीर के सबसे तेज 500 आईपीएल रन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। 15 साल के सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 11 पारियों में 452 रन बनाए हैं, उनका औसत 41 से अधिक और स्ट्राइक रेट करीब 230 का है, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला राजस्थान का कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा, जहाँ उनके पास इतिहास रचने के कई मौके होंगे।

पथिराना को मिला श्रीलंकाई बोर्ड से एनओसी, आईपीएल टीम केकेआर से जुड़ेंगे

-14 अप्रैल को सीएसके के खिलाफ मैच में खेलना तय

कोलंबो ।श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का आईपीएल में खेलने का रास्ता साफ हो गया है। पथिराना को फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने आईपीएल खेलने की अनुमति दे दी है।ऐसे में पाथिराना शीघ्र ही अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़ सकेंगे। अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीती केकेआर को भी पाथिराना की वापसी से लाभ होगा। पाथिराना के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशानी का शिकार हो रही केकेआर को राहत मिलेगी। पाथिराना आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। अब उनकी वापसी से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा। पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच से अपने इस सत्र की शुरुआत कर सकते हैं।

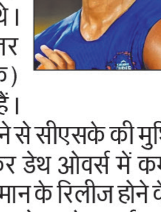

14 अप्रैल को चेपॉक में होने वाले इस मुकाबले में उनके उतरने से सीएसके की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स इस सत्र में खासकर डेथ ओवर्स में कमजोर नजर आई है।हर्षित राणा के बाहर होने और मुस्तफिजुर रहमान के रिलीज होने के बाद टीम का का गेंदबाजी आक्रामक काफी कमजोर रहा है। जिससे उसके प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है।पथिराना ने अपने यॉर्कर और डेथ ओवर में सटीक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्रस्पर्जिलस नाइजर, एर्रस्पर्जिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियॉ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियॉ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉं

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी. सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव

फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।

उर्वरक

प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर

पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।

सिंचाई एवं जल निकास

लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गुडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

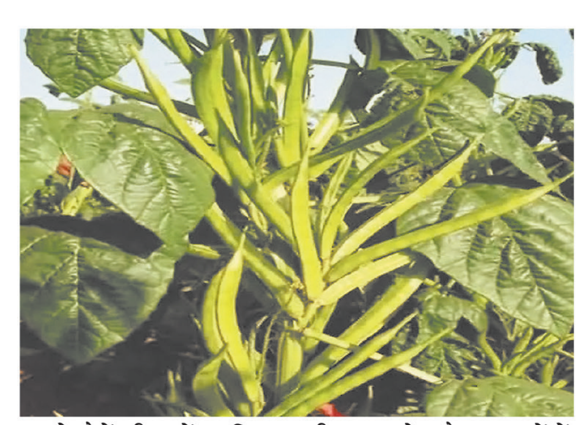

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,

हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।

मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया

लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियॉ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।

बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।

एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR